

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम  
सत्रांत परीक्षा  
फरवरी, 2021

पी.जी.डी.टी.-002 : अनुवाद का भाषिक और  
सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

**नोट :** भाग I में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी के अंक समान हैं । भाग II के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । अंक प्रश्नों के समक्ष दर्शाए गए हैं ।

**भाग I**

1. भाषा की संकल्पना स्पष्ट करते हुए उसकी विभिन्न इकाइयों का उल्लेख कीजिए । 20
2. पारिभाषिक शब्द क्या है ? पारिभाषिक शब्द के लक्षणों का सोदाहरण वर्णन कीजिए । 20
3. अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में भाषा के मानकीकरण की आवश्यकता को रेखांकित कीजिए । 20
4. भारतीय समाज की बहु-भाषिकता पर लेख लिखिए । 20

5. द्वितीय भाषा शिक्षण में अनुवाद की भूमिका की विवेचना कीजिए । 20
6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20
- (क) प्रशासनिक व्यवस्था में अनुवाद
- (ख) पाठ्यक्रम निर्माण और अनुवाद
- (ग) प्रोक्ति : अर्थ संप्रेषण की इकाई
- (घ) पारिभाषिक शब्द और सामान्य शब्द

7. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

20

There is an ancient *Tao* thought which says : choose a job you love and you won't have to work a day in your life. The first secret of success is : don't work for your wages, work for God. You can work too for the love of humans or for the love of work itself. Your work then becomes a source of joy and delight.

There is much talk about vocational education today. The word vocation is derived from the Latin root which means 'to call'. Let your work be a calling (आह्वान). Let your work be a labour of love. Something that you love to do, and something that you enjoy doing, much more than a source of monetary benefit. Labour of love leads to fulfilment.

The end question is what success is all about. Success is the ability to be happy and make others happy. It is the ability to love and be loved; and to remain in peaceful harmony with oneself, besides those who are around you and with cosmic law.

संचार माध्यमों में जो भी सामग्री लिखित, मौखिक रूप में आपके सामने आती है, उस पूरी सामग्री को उस रूप में प्रस्तुत करने में बहुत से व्यक्तियों का सहयोग रहता है। इनका मुखिया संपादक होता है तथा शेष सहयोगी उसके संपादक मंडल के सदस्य होते हैं। संपादक की एक छोटी-सी भूल कितनी भयंकर होती है अथवा कितनी बड़ी समस्या उत्पन्न कर सकती है, इसका आभास किसी विचारक की आगे दी गई टिप्पणी से स्पष्ट हो जाता है : जब डॉक्टर भूल करता है तो मरीज कष्ट पाता है, गैराज़ मालिक भूल करता है तो बिल बढ़ जाता है, जब वकील भूल करता है तो वह वही होती है जो वह चाहता है क्योंकि उसे मामले को पुनः जाँचने का मौक़ा मिल जाता है। किंतु जब संपादक भूल करता है तो पूरा जग जान जाता है और संकट पैदा हो जाता है।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि संपादन का कार्य किसी माध्यम के लिए कितना संवेदनशील होता है। संपादक को विभिन्न माध्यमों की विशेषताओं के अनुरूप सामग्री को सहेजना, लिखना और प्रस्तुत करना पड़ता है जो एक चुनौती से कम नहीं है। कभी-कभी पुनर्लेखन भी करना होता है, यह भी एक प्रकार से संपादन ही होता है।

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME**  
**Term-End Examination**  
**GOVERNMENT AND POLITICS IN INDIA**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :**

- (i) *Section I — Answer any **two** questions.*
- (ii) *Section II — Answer any **four** questions.*
- 
- 

**SECTION I**

*Answer any **two** of the following questions in about 500 words each. Each question carries 30 marks.*

1. Examine the areas of tensions in Centre-State relations in India.
2. What are the provisions in the Indian Constitution which seek to realise the goal of democracy in form and substance ? Describe.
3. Examine the factors contributing to the rise of regional parties.
4. Briefly describe the women's struggle for their rights during the colonial period.

## SECTION II

*Answer any **four** of the following questions in about 250 words each. Each question carries 10 marks.*

5. What are the reasons for providing special provisions for certain states in the Indian Constitution ? Elaborate.
6. Comment on the role of Indian Judiciary in environmental protection.
7. What are the main recommendations of the Sarkaria Commission ? Describe.
8. Describe the emergency powers of the President of India.
9. Critically examine the legislative procedures in law-making.
10. Discuss the characteristics of farmers' movement in India.
11. Comment on the changing nature of party system in India.
12. How does the Parliament exercise control over the Executive ? Explain.

---